

हर-हर नर्मदे - ओ देवी नर्मदे ॥२॥
जय-जय नर्मदे - ओ देवी नर्मदे ॥२॥

जिनपे होती दया तुम्हारी ॥२॥
बिगड़े काज सदे sssss ओ मैया
बिगड़े काज सदे - हर-हर नर्मदे -

अधम पातकी ये तन मेरा ॥२॥
स्वारथ माही लदे sssss ओ मैया
स्वारथ माही लदे - हर-हर नर्मदे -

हारण तुम्हारी वो नर आते ॥२॥
जिनके करम वदे sssss ओ मैया
जिनके करम वदे - हर-हर नर्मदे -

तुम हो दयालु मेरी रेवा ॥२॥
भक्ति भाव भर दे sssss ओ मैया
भक्ति भाव भर दे - हर-हर नर्मदे -

आठों पेहर "श्री बाबा श्री" पुकारें ॥२॥
जनम सफल कर दे sssss ओ मैया
जनम सफल कर दे - हर-हर नर्मदे -